पहल ● **ग्रामीण महिला ने बंजर भूमि पर लगाये आम, सब्जी की खेती भी की, प्रदान ने किया सहयोग**

आम बगान बना महिला की आर्थिक उन्नति का आधार

प्रतिनिधि ▷ तोरपा

कुछ अलग करने का मन में हौसला व दिल में जज्बा हो तो जिंदगी में बदलाव लाया जा सकता है. प्रखंड के कुमांग गांव की ललिता भेंगरा कुछ ऐसा ही कर खेती से अपनी जिंदगी को बदल रही है. उसने अपनी एक एकड़ खाली पड़ी बंजर भूमि पर आम बागवानी कर अपने व परिवार की आय वृद्धि कर मिसाल कायम कर रही हैं. उन्होंने तीन साल पूर्व मनरेगा से आम बागवानी का काम शुरू किया. कुल 112 पौधे आम के लगाये. आम पौधों के बीच खाली पड़ी जमीन पर सब्जी की खेती करनी शुरू की. एक साल में यहां से 60 से 70 हजार रुपये का सब्जी उत्पादन कर बेचा. आम से लगभग 25 हजार रुपये कमाये. इस काम में तकनीकी सहयोग करने वाले प्रदान के प्रेम शंकर ने बताया कि इस बार ललिता के लगाये सभी 112 पौधों में आम का फल आया है. ललिता के इस काम में उनके पति अमूल्य भेंगरा भरपूर सहयोग करते हैं.

आम का फल देख खुश होती ललिता.

आम बागान के बीच में उगायी सब्जियां.

मनरेगा आयुक्त ने ट्वीट कर सराहा : मनरेगा आयुक्त सिद्धार्थ त्रिपाठी ने ट्वीट कर ललिता के किये आम बागवानी के कार्य को सराहा है. अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गयी बिरसा हरित ग्राम योजना से इस तरह के कार्यों को बढ़ाने की जरूरत है.

प्रभात खबर
Mon, 08 June 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/52584781